आदरणीय माता-पिता/अभिभावक

नमस्कार ग्रहण किजिएगा। आपको/आप लोगों को सूचित करते हुए मुझे अपार हर्ष महसूस हो रहा है कि असम के सभी वर्ग के जनता के आस्था और विश्वास के नींव में सत्ता में आने के बाद जनताओं के आशा और आकांक्षाए को वास्तवायित करने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में विभिन्न कदम उठाई है। जनता के आकांक्षा परिवर्तन के लिए माननीय मुख्य मंत्री श्री सर्वानदं सोनवाल नृतृत्वधीन यह सरकार ने वर्ष 2016 के 24 मई में शपत लेने बाद से दृढ़ता से काम कर रहा है। हमारे सरकार के सर्वोच्च आधारभूत है असम के 3 करोड़ 25 लाख जनताओं को सेवा करना। उन लोगों के दु:ख निवारण और राज्य के विकास के मार्ग पेहचाँन करना ही हमारे सर्वोच्च दायित्य है।

प्राथमिक शिक्षा के मानदंडो को उन्नतिकरण के विषयों को राज्य सरकार ने गंभीरता से विवेचना की हैं। बच्चे की शैक्षिक विकास के लिए राज्य में समय समय पर विभिन्न प्रयास तथा कदम लिये गये हैं। तथापि प्राथमिक स्तर पर बच्चे के शिक्षा में विशेष विकास परिलक्षित नहीं हुए हैं। राज्य के दुरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालय में नामंकन, प्रत्येक शिक्षार्थियों के अग्रगति के हिसाव, विद्यालय में उपलब्ध संपत्तियों की उचित उपयोग, शिक्षक के कर्तव्य, विद्यालय में आधारिक संरचना का उपलब्धता आदि दिशाओं के तुरंत ध्यान तथा उपयोगी पूर्ण व्यवस्था ग्रहण करना अत्यांत आवश्यक है। इस लिए राज्य के प्राथमिक स्तर के शिक्षा क्षेत्र के प्रकृत मूल्यांकन करने के उद्देश्य तथा प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्रों को एक स्पष्ट और सही दिशा निर्धारण करने के लिए राज्य सरकर ने पहली वार गुणोत्सव कार्यसूची ग्रहण की है। प्राथमिक शिक्षा के गुणगत मानदंडो विकास हेतु प्रस्तुत किया हुआ गुणोत्सव एक एसे योजना है, जहां सामग्रिक तौर से बच्चे के शैक्षिक परिणाम के साथ सह-शैक्षिक कार्यकलाप, सामग्रीयों का यथोचित व्यवहार और सामाजिक भागीदारी को समेट लिया गया है। मुख्य मंत्री प्रमुख्य मंत्री सभा के सदस्यों, विधायकों, असम सरकार के मुख्य सचिव, भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा अधिकारियों तथा राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारियों बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रुप में इस गुणोत्सव कार्यसूची में विद्यालयों में जा कर प्रश्न पत्र के जरिए छात्र-छात्राओं की शैक्षिक मूल्यांकन करेंगे। मूल्यांकन के अंत में विद्यालय और प्रत्येक बच्चे के रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किए जायेंगे। इस मूल्यांकन के आधार पर छात्र-छात्रओं की शैक्षिक घटाव तथा विद्यालय के असुविधाओं को चिह्नित करके पर्याय क्रम इनका विकास हेतु कर्म योजना प्रस्तुत किए जायेंगे।

राज्य के इतिहास में सर्व प्रथम के लिए अनुष्ठित होनेवाला शिक्षा खंड के सबसे बड़ा उत्सव के कार्यसूची के अंशीदार होकर राज्य सरकार के यह सचेत प्रयास सफल काम करने के लिए आपका योगदान अपरिहार्य है। आप से अनुरोध है कि आप/आपलोग गुणोत्सव के कार्यक्रम में विद्यालय में अपना सम्पूर्ण सहयोग और बच्चे की उपस्थिति सुनिश्चत करें।

डॉ० हिमंत विश्व शर्मा
शिक्षामंत्री, असम सरकार